मैथिली साहित्य के विकास में महिलाओं का रहा महत्वपूर्ण योगदानः डॉ. एके झा

जमशेदपुर | साहित्य अकादमी संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार ने मंगलवार को मैथिली भाषा के साहित्यकारों के लिए नारी चेतना कार्यक्रम का आयोजन किया। इसका संचालन साहित्य अकादमी के उप सचिव डॉ. एन सुरेश बाबू ने किया। उन्होंने नारी चेतना कार्यक्रम के उचित उद्देश्य आदि पर विस्तार से प्रकाश डाला। साहित्य अकादमी में मैथिली परामर्श दात्री समिति के संयोजक एवं एलबीएसएम कॉलेज जमशेदपुर के प्राचार्य डॉ. एके झा ने मैथिली में महिला लेखन की स्थिति और महिलाओं के विविध योगदान की चर्चा की। सभी कवियों ने समकालीन परिदृश्य को ध्यान में रखते हुए परंपरा और संस्कृति को केंद्रित करते हुए चार-चार कविताओं का पाठ किया। समापन वक्तव्य में डॉ. झा ने पठित कविताओं की समीक्षा की।

मैथिली रचनाओं में महिलाओं की भूमिका अहम : एके झा

वेबिनार

जमशेदपुर | वरीय संवाददाता

साहित्य अकादमी और संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार ने मैथिली भाषा के साहित्यकारों के लिए नारी चेतना कार्यक्रम का आयोजन किया।

साहित्य अकादमी में मैथिली परामर्श दात्री समिति के संयोजक एवं एलबीएसएम कॉलेज के प्राचार्य डॉ एके झा ने नारी चेतना कार्यक्रम पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि कहा कि मैथिली रचनाओं में महिलाओं की अहम भूमिका रही है। उनका योगदान हमेशा से सराहनीय रहा है। इस कार्यक्रम में भोपाल से दीपा मिश्रा दिल्ली से कुमकुम झा एवं सत्ता फरीदाबाद से श्वेता झा सोनी दरभंगा से अमृता चौधरी, डॉक्टर कामिनी एवं जमशेदपुर से गीतकार नूतन झा ने भाग लिया।

सभी कवियों ने समकालीन परिदृश्य को ध्यान में रखते हुए नारी चेतना नारी सशक्तिकरण को केंद्रित करते हुए चार कविताओं का पाठ किया। समापन वक्तव्य में डॉ. झा ने विस्तार से पठित कविताओं की समीक्षा की एवं यह स्पष्ट किया कि नारी चेतना कार्यक्रम मैथिली महिला लेखन की दशा और दिशा के सशक्त स्थिति को दर्शाता है।

एक नजर में

मैथिली में महिला लेखन व योगदान पर की गई चर्चा

जमशेदपुर : साहित्य अकादमी संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार ने मैथिली भाषा के साहित्यकारों के लिए नारी चेतना कार्यक्रम का आयोजन किया। संचालन साहित्य अकादमी के उप सचिव डॉक्टर सुरेश बाबू ने किया। उन्होंने सभी साहित्यकारों का स्वागत भी किया। साहित्य अकादमी में मैथिली परामर्श दात्री समिति के संयोजक एवं स्थानीय एलबीएसएम कॉलेज जमशेदपुर के प्राचार्य डॉ ए के झा विस्तार से मैथिली में महिला लेखन की स्थिति और महिलाओं के विविध योगदान पर चर्चा की। इस कार्यक्रम में भोपाल से दीपा मिश्रा, दिल्ली से कुमकुम झा एवं फरीदाबाद से श्वेता झा, सोनी, दरभंगा से अमृता, डॉ. कामिनी आदि ने भाग लिया। (जासं)